दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
मुरादाबाद से प्रकाशित
RNI NO- UPBIL/2021/83001
वर्ष :- 03 अंक :- 102 मुरादाबाद, 31 July 2023 (Monday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिज़ाइन कराये कम दम में

मन की बात: प्रधानमंत्री बोले- अयोध्या काशी जाने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ी; 50 हजार सरोवर बनाए जा रहे

पीएम ने कहा कि सावन का महीना चल रहा है और यह महादेव की अराधना के साथ ही हरियाली और खुशहाली से जुड़ा है। सावन का बहुत महत्व है, सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है।प्रधानमंत्री मोदी मन की बात कार्यक्रम के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। अपने संबोधन की शुरुआत पीएम मोदी ने सावन महीने के जिक्र से की। पीएम ने कहा कि सावन का महीना चल रहा है और यह महादेव की अराधना के साथ ही हरियाली और खुशहाली से जुड़ा है। सावन का बहुत महत्व है, सावन का मतलब ही आनंद और उल्लास है। सावन के महीने में कितने ही भक्त शिव अराधना पर निकलते हैं। 12 ज्योतिर्लिंगों पर भी श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। वाराणसी, अयोध्या, मथुरा और उज्जैन में पहुंचने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है।

जल संरक्षण के लिए बनाए जा रहे 50 हजार अमृत सरोवर

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देशवासी पूरी जागरुकता से जल संरक्षण के लिए प्रयास कर रहे हैं। अभी देश में 50 हजार अमृत सरोवर बनाने का काम चल रहा है। एमपी के शहडोल के पकरिया गांव में आदिवासियों ने 100 कुओं को वाटर रिचार्ज सिस्टम में बदल दिया है। बारिश का पानी इन कुओं में जाता है और वहां से जमीन में चला जाता है। वहीं उत्तर प्रदेश में 30 करोड़ पेड़ लगाने का रिकॉर्ड बनाया गया है। राज्य सरकार ने अभियान की शुरुआत की और लोगों ने इसमें पूरा सहयोग दिया।

प्रधानमंत्री

मुस्लिम महिलाओं ने लिखे पत्र

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्हें बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाओं के पत्र प्राप्त हुए हैं, जो हज करके लौटी महिलाओं ने उन्हें लिखे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन महिलाओं ने पुरुष सदस्यों या मेहरम के बिना हज यात्रा की। उनकी संख्या 50 या 100 नहीं है बल्कि 4000 है। यह एक बड़ा बदलाव है। पहले मुस्लिम महिलाओं को बिना मेहरम के हज यात्रा करने की अनुमति नहीं थी। पीएम ने इसके लिए सऊदी अरब सरकार को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने अकेले हज यात्रा पर जाने वाली महिलाओं की मदद के लिए महिला समन्वयकों की तैनाती की।

अमेरिका ने लौटाई दुर्लभ कलाकृतियां

ने अमेरिका द्वारा लौटाई गईं प्राचीन कलाकृतियों के बारे में भी बात की और कहा कि कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अमेरिका द्वारा 100 से ज्यादा दुर्लभ कलाकृतियों के लौटाने की खूब चर्चा थी। ये दुर्लभ कलाकृतियां ढाई सौ से 2500 साल पुरानी हैं। ये कलाकृतियां देश के विभिन्न इलाकों से संबंधित हैं। अमेरिका की सरकार ने इन्हें हमें वापस लौटाया है। पीएम ने कहा कि उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान भी अमेरिका ने कई कलाकृतियां भारत को लौटाई हैं।

चार हजार मुस्लिम महिलाओं ने बिना पुरुष सहयोगी के हज यात्रा की, पीएम मोदी बोले- यह बड़ा बदलाव

पीएम मोदी ने कहा कि पहले मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बिना हज यात्रा पर जाने की अनुमति नहीं थी। इसके लिए मैं सऊदी अरब सरकार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के 103वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि %मुझे बड़ी संख्या में उन मुस्लिम महिलाओं के पत्र प्राप्त हुए, जो हाल ही में हज यात्रा करके लौटी हैं।इन महिलाओं ने बिना मेहरम के हज यात्रा पूरी की। इनकी संख्या 50 या 100 नहीं है बल्कि 4000 है। यह एक बड़ा बदलाव है। पहले मुस्लिम महिलाओं को पुरुषों के बिना हज यात्रा पर जाने की अनुमति नहीं थी।मैं सऊदी अरब सरकार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने बिना मेहरम के हज यात्रा पर जाने वाली महिलाओं के लिए महिला समन्वयकों की तैनाती की।

हज नीति में हुए बदलाव

पीएम मोदी ने कहा कि बीते कुछ सालों में हज नीति में जो बदलाव किए गए हैं, उनकी भरपूर सराहना हो रही है। हमारी मुस्लिम माताओं और बहनों ने इस बारे में मुझे काफी कुछ लिखा है। अब ज्यादा से ज्यादा लोगों को हज पर जाने का मौका मिल रहा है। हज यात्रा से लौटे लोगों ने खासकर हमारी माता-बहनों ने चिट्ठी लिखकर आशीर्वाद दिया है, वो अपने आप में बहुत प्रेरक है।

बिना मेहरम हज जाने वाली महिलाओं की संख्या में आई तेजी

बता दें कि इस्लाम में मेहरम वो पुरुष होता है, जो महिला का पति हो या खून के रिश्ते में हो।

इस बार हज यात्रा पर अकेली जाने वाली 4314 महिलाओं ने आवेदन दिया था। आजादी के बाद साल 2018 में पहली बार भारत में मेहरम की अनिवार्यता को हटा दिया गया था। जिसके बाद से 3401 महिलाओं ने बिना पुरुष रिश्तेदारों या मेहरम के बिना हज यात्रा की थी। इस बार यह आंकड़ा चार हजार से ज्यादा रहा, जो अपने आप में बड़ी बात है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अनुसार, हज नीति के मुताबिक 45 वर्ष से ज्यादा उम्र की महिलाएं, जिनके पास मेहरम नहीं हैं, वो चार या उससे ज्यादा संख्या में महिलाओं के समूह के साथ हज यात्रा कर सकती हैं।

बरेली में कांवड़ियों पर लाठीचार्ज: जत्थे में शामिल अराजकतत्व ने की फायरिंग, पुलिस ने बरसाईं लाठियां; DJ जब्त

बरेली में कांवड़ियों के साथ भीड़ में शामिल हुए अराजकतत्वों ने पहले पीलीभीत बाईपास पर जाम लगाया। उसके बाद जत्था निकालने के दौरान तमंचे से हवाई फायरिंग कर दी। इसके बाद डीएम और एसएसपी ने लाठीचार्ज करने का आदेश दे दिया। बरेली के जोगी नवादा में कावड़ यात्रा गुजरने को लेकर एक बार फिर तनाव की स्थिति पैदा हो गई। रविवार को कांवड़िया इसी इलाके से कांवड़ निकालने पर अड़े थे, जबकि दूसरे समुदाय के लोग नई परंपरा बताकर जत्था और उसके साथ डीजे ले जाने का विरोध कर रहे थे। स्थिति को देखते हुए मौके पर आरएएफ और पुलिस तैनात कर दी गई। डीएम और एसएसपी समेत तमाम अफसर मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों से वार्ता की गई।इसके बाद कावड़ियों से डीजे बंद करके जत्था निकालने को कहा गया तो कांवड़ियों के साथ भीड़ में शामिल हुए अराजकतत्वों ने पहले पीलीभीत बाईपास पर जाम लगाया। उसके बाद जत्था निकालने के दौरान तमंचे से हवाई फायरिंग कर दी। इससे अफरातफरी मच गई। बवाल की संभावना टालने के लिए मौके पर मौजूद डीएम और एसएसपी ने फोर्स को लाठीचार्ज करने का निर्देश दे दिया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ दिया। लाठीचार्ज में कुछ लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने कुछ अराजकतत्वों को भी गिरफ्तार भी किया है। जोगी नवादा क्षेत्र को छावनी बना दिया गया है। मौके पर पुलिस और पीएसी के साथ पैरामिलिट्री फोर्स तैनात की गई है। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने कहा कि किसी को भी नई परंपरा नहीं डालने दी जाएगी। माहौल बिगाड़ने वालों को चिन्हित किया जा रहा है। अराजकतत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बीते रविवार को हो चुका है बवाल

जोगी नवादा में बीते रविवार को कांवड़ यात्रा के दौरान बवाल हो गया था। प्रारंभिक जांच में एक ओर से गुलाल फेंकने के बाद दूसरी ओर से पथराव की बात सामने आई। इस मामले में दो मुकदमे भी दर्ज हो चुके हैं और कई वीडियो व सीसीटीवी फुटेज से घटनाक्रम की विवेचना की जा रही है। आईजी रेंज के निर्देशन में बदायूं के एसएसपी इस मामले की जांच कर रहे हैं। इस रविवार को फिर तनाव की स्थिति बन गई थी।

सीएम योगी बोले: कानून के दायरे में रहकर हो हर आयोजन, जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे

सीएम योगी ने कहा कि जिन्हें शांति और सौहार्द पसंद नहीं है वही प्रदेश का माहौल खराब करने का काम करते हैं। पुलिस अधिकारी इन बातों का ध्यान दें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्व और त्यौहार के मौके पर जब देश के अलग-अलग राज्यों में दंगे हो रहे थे, तब उत्तर प्रदेश में शांति थी। जिन लोगों को शांति और सौहार्द अच्छा नहीं लगता है, वह छोटे-छोटे मुद्दों को इशू बनाकर के माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं। पुलिस के अधिकारी इस बात का विशेष ध्यान रखें कि प्रदेश में जो भी आयोजन हो वह कानून के दायरे में रहकर हो। जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करके कोई भी आयोजन न होने पाए। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।सीएम योगी ने रविवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनएक्सी) में मुख्यमंत्री कमांड सेंटर का उद्घाटन और सीएम डैशबोर्ड का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कमांड सेंटर और डैशबोर्ड बनाने का उद्देश्य डाटा कैप्चर करने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में तेजी लाना है। साथ ही इसका मुख्य ध्येय आम जनमानस की समस्या

का समयबद्ध तरीके से समाधान करना है। सीएम योगी ने कहा कि जिस अधिकारी या कार्मिक की जहां पर तैनाती हुई है, वह वहीं पर निवास करे। ऐसा न हो कि तैनाती किसी जनपद में हो और अधिकारी और कार्मिक किसी अन्य जनपद में निवास करते हों। अगर जनपद में सरकारी आवास उपलब्ध नहीं है तो अधिकारी और कार्मिक किराए के मकान में रहें और समय पर अपने दफ्तर पहुंचे।

समस्या का जल्द समाधान करने की सोचे

सीएम योगी कहा कि सभी कार्मिकों के कार्यों की समीक्षा होनी चाहिए। थानों की समीक्षा पुलिस अधीक्षक, जिला स्तर पर विभागों की समीक्षा जिला अधिकारी और मंडल स्तर पर मंडलायुक्त करें। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए जनपद स्तर पर हमें एक ऐसा मैकेनिज्म बनाना होगा जिससे जल्द से जल्द लोगों की समस्या का समाधान हो सके। अगर हम एंबुलेंस को यहां से बैठ कर मॉनिटर कर सकते हैं तो जनपद की हर एक गतिविधि को भी मॉनिटर किया जा सकता है। अब टेक्नोलॉजी इतनी बेहतर हो चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिले के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनपद स्तर पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान हो जाए। लोगों की कहीं भटकना न पड़े।

खानापूर्ति से बचें अधिकारी

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के अंदर देश का ग्रोथ इंजन बनने के सामर्थ्य है। पुरुषार्थ को परिश्रम के साथ जोड़कर हम यूपी को अग्रणी राज्यों की श्रृंखला में खड़ा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड का एक-एक डाटा शुद्ध होना चाहिए। हमें एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाना है। इसमें किसी भी प्रकार की हेराफेरी नहीं होनी चाहिए। फील्ड से अपलोड होने वाले डाटा का वेरिफिकेशन किया जाएगा। हम समय-समय पर उसको चेक करेंगे, देखेंगे कि ऐसा तो नहीं कि केवल कागजी खानापूर्ति हो रही है। इसलिए जो भी डाटा आए वह सुव्यवस्थित हो और समयबद्ध तरीके से पूरी हो। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, जल शक्ति तथा बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और नगर विकास मंत्री एके शर्मा मौजूद रहे।

संपादकीय Editorial

Punish the culprits

CBI will investigate the case of nude parade and gangrape of two women in Manipur. Its investigation report has also been handed over to the CBI. In an affidavit filed by the Union Home Ministry in the Supreme Court, the victims in the state are being provided psychological, medical and legal assistance, besides other steps of the government, have pointed to the fight against crimes. Some recent initiatives of the government in Manipur The steps are worth noting. The investigation into the famous case of nude parade of two women and their gang rape has been handed over to the CBI. It would be worth noting here that what emerges in this investigation and whether the culprits are punished or not. In fact, the country has seen many such cases, where no result came out of such investigation. At the same time, the Union Home Ministry has said in an affidavit filed in the Supreme Court that psychological, medical and legal help is being provided to all the Victims in the state. The way this matter came to everyone's notice only after the video went viral and the state government was infuriated, it has now been made mandatory for all police stations to report such cases to the Director General of Police (DGP). DGP) should be given. Apart from this, the Central Government has also requested the Supreme Court to transfer this case to another state so that it can be heard in the right environment. The government also says that the situation has improved a lot as compared to earlier and no death has been reported in any violent incident since July 18. Though the government cannot be accused of inaction in view of these steps, but its To measure the importance of these steps, three big tests are made in today's date. Firstly, what is the condition of the state going to be like from here onwards. If peace prevails there and sporadic incidents of firing, which are being reported, also stop, people slowly start leading a normal life in their homes, then these steps can be considered meaningful. The second big test is the Supreme Court. Since as soon as the viral video surfaced, the Supreme Court, taking suo motu cognizance of it, asked the government to take immediate action and all other steps, including the arrest of the accused, were taken thereafter, so whether it is right or wrong, but it has become a common belief that these steps of the government In fact, the strong stand of the Supreme Court is behind this. The government has also informed the Supreme Court about all these steps. In such a situation, it has to be seen how much he is convinced by them. The third biggest test of these steps of the government would normally be the Parliament of the country because the monsoon session of the Parliament is still going on. But unfortunately the Parliament is in a sort of standstill even though it is in session. However, after the no-confidence motion has been accepted, a detailed discussion on Manipur has also been decided and the Prime Minister's statement on this has also been confirmed. Despite this, instead of discussion in the Parliament, only uproar, boycott and adjournment are being seen, which is difficult to justify in any form.

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़,पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

Will basic income be effective in tackling corruption?

Currently, there are more than 1000 central and state government schemes out there, most of which are riddled with corruption. The level of leakage in the existing schemes is very high and the implementation of such schemes is also poor. Basic income can replace many of these programs, which can remove the corruption associated with it. Basic income will help in removing poverty and insecurity of socially and economically backward citizens. It is a guaranteed income, which acts as a foundation to survive in adverse conditions and maintain economic and financial security. Basic income is a model for providing a fixed amount of money to all citizens of a country, regardless of their income, resources, or employment status. Basic income aims to prevent or reduce poverty and increase equality among citizens. Today, different opinions are being given regarding the concept of Basic Income, in such a situation, it is important to know how practical it will be in India. But first let us see what was the effect on the life of the people in Madhya Pradesh while working on this pilot scheme? Has India's widening income inequality gap been bridged? Is everyone getting clean drinking water, house to live and food to eat? Are children of all, rich and poor, part of a standard education system? If the answer to all these questions is 'no', then why not study all the social and economic standards and arrange a 'basic income' for everyone. All people will be beneficiaries, through this the standard of living of people in villages can be improved, drinking water can be made available to them and nutrition of children can also be improved. A regular basic income payment can help deal with hunger and disease judiciously. Basic income can also prove helpful in reducing child labour. Through this, the picture of villages can be changed by increasing the productive works and it will be a remarkable effort towards sustainable development. Be aware that social inequality can also be reduced with the help of basic income. In one sentence, this idea of basic income can free India from the curse of income inequality and its side effects. Currently, there are more than 1000 central and state government schemes out there, most of which are riddled with corruption. The level of leakage in the existing schemes is very high and the implementation of such schemes is also poor. Basic income can replace many of these programs, which can remove the corruption associated with it. Basic income will help in removing poverty and insecurity of socially and economically backward citizens. The (Jan-Dhan, Aadhaar and Mobile) basic framework can complement the implementation of Basic Income and bring in greater efficiency and transparency. In the increasingly uncertain nature of today's labor market for low-wage, low-skilled workers, wage inequality is on the rise. Therefore, Basic Income takes steps to protect the interests of those workers. In general, basic income will act as a safety net against health, income, and other shocks. India is a developing country, whereas only a very developed economy can bear the burden of a fixed income for all individuals. We are barely able to bear the burden of basic health facilities and infrastructure. In such a situation, the biggest challenge in the path of basic income is that what should be the level of 'Basic Income', that is, what would be the amount that can fulfill the basic needs of a person? The major concern with Universal Basic Income is its fiscal implications. Funding the Basic Income Scheme would require generating a large amount of revenue, which would put a substantial burden on the taxpayers. There is a serious concern that basic income will distort labor markets, as the easy income that workers receive on a regular basis will discourage them from working. This cash transfer will reduce the quantity supplied of labor, as workers may choose to leave their jobs without affecting household income. There are also fears that the scheme could be misused by the political class to win elections. It may happen that the ruling party increases the basic income under Basic Income to please the voters, so that it can win the election. This will put huge financial burden on the exchequer and hence defeat the very purpose of the scheme. Basic income would also need to provide benefits to the roughly 78% of the population who do not fall in the poverty category. If we follow the concept of purity and universalize it, there is a great risk of falling short of what is available to each individual in the Indian context. This may lead to opposition from many groups and raise questions regarding equality and state welfare for the poor. For this type of policy to be successful, the support and consent of the public is very important. The idea of Basic Income will be an important effort for India to improve the health, education and other civic amenities of its people and raise their standard of living. But a basic income for all is not possible until the subsidy given through all the schemes at present is abolished. Therefore, instead of arranging a basic income for all Indians, with the help of socio-economic census, a fixed income for the most deprived section of the society. It would be much more effective and practical to have a fixed income system. Author - Priyanka Saurabh Research Scholar in Political Science, poetess, independent journalist and columnist

Motion of no confidence, lest it backfire, the bet of showing the strength of the opposition

The opposition parties were adamant in their demand to start the discussion on the Manipur violence with the Prime Minister's statement only to gratify their ego and show that they have become politically more powerful after the formation of INDIA and Have come in a position to challenge the Prime Minister. This is the first time in this tenure of the Modi government, when the opposition has brought a no-confidence motion against it. Eventually the newly formed opposition coalition INDIA brought a no-confidence motion against the Modi government. He also accepted. Now waiting for debate on that. INDIA may be considering the no-confidence motion as its victory and is assuming that it will get an opportunity to show its solidarity and strength in the Parliament, but one, this motion is sure to fall and second, when it is debated, it will be full of There are full chances that the alleged solidarity of this new alliance will be exposed by the government and especially by the Prime Minister and its mutual tussle will also be exposed. Not only this, the debate will not be limited to Manipur only, because the recent No one can ignore the gruesome violence that took place in Bengal during the panchayat elections – least of all the Modi government. It is true that by bringing the no-confidence motion, the opposition has achieved its objective that the Prime Minister will have to speak in the House on the issue of Manipur, but it has also given him an opportunity to expose his political bigotry. The opposition parties were adamant in their demand to begin the discussion on Manipur with the Prime Minister's statement merely to gratify their ego and show that they have become politically more powerful after the formation of INDIA and Have come in a position to challenge the Prime Minister. It is doubtful that they would be able to really succeed in giving such a message through a no-confidence motion. The concern of the opposition parties on the situation in Manipur appeared to be more of a sham, because if they were really sad and serious about the situation there, neither the Home Minister nor the Home Minister would have wasted their energy in sloganeering by stalling the work of the Parliament for four days. They were refusing to listen to him. Whatever the opposition may claim, the truth is that in order to pursue its political interests, it preferred to ignore the tradition that the minister of the ministry in which the matter is concerned has to make a statement on it. This is the first time in this tenure of the Modi government, when the opposition has brought a no-confidence motion against it. Earlier he did this work in 2018. It had faced defeat then as well and this time too it looks assured because while the BJP-led NDA has more than 330 members in the Lok Sabha, INDIA does not even have half of that. It is true that the Indian National Congress is also with INDIA on the no-confidence motion, but if they are not able to show the expected numbers, then their move to show their strength may backfire.

भाजपा नेता का थानाध्यक्ष पर गंभीर आरोप, वीडियो में जहर पीने का कारण बताया

मुरादाबाद-भाजपा किसान मोर्चा के जिला मंत्री वीर सिंह का प्रकरण तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित द्वारा जारी वीडियो बनाकर वायरल हो रहा है। इसमें पीड़ित ने जिम्मेदारों पर कई सवाल उठाए हैं। मंदिर पहुंचकर जहरीला पदार्थ के सेवन की कहानी का विवरण आम किया है। वायरल वीडियो में कांठ थानाध्यक्ष संजय पांचाल समेत कई लोगों को कठघरे में खड़ा किया है। वीर सिंह महानगर के रामगंगा विहार कॉलोनी फेज-दो के गुप्ता नर्सिंग होम में शनिवार शाम से भर्ती हैं। वीडियो में वीर सिंह अपने हितैषियों से कह रहे हैं कि लाडलाबाद मंदिर और परिसर में जो सीसी कैमरे लगे हैं, उनके फुटेज निकलवा कर मुझे व मेरे परिवार को इंसाफ दिलाना। गुहार कर रहे हैं सत्ताधारी दल में रहते हुए भी उन पर चार बार हमले हुए हैं। वह अपनी बिरादरी वालों से कह रहे हैं कि उस का ही समर्थन करो। आरोप है कि शिव मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर सिंह और थानाध्यक्ष कांठ संजय पांचाल उन्हें परेशान कर रहे हैं। प्रशासन उन्हें फंसाना चाहता है। कहते हैं कि पुलिस प्रशासन व सत्ताधरी नेताओं की वजह से डिप्रेशन में आ गए हैं। उन्हें तीन दिन पहले मंदिर परिसर से ही महावीर सिंह व उनके समर्थकों ने पकड़कर कमरे में बंद कर चार घंटे तक बंधक बनाए रखा, मारापीटा। खबर पाकर घर वाले आए तो उन्हें भी मारापीटा। वीर सिंह छजलैट कस्बे के रहने वाले हैं। फिलहाल, इस मामले में शनिवार को थानाध्यक्ष संजय पांचाल ने कहा था कि भला वह वीर सिंह को क्यों परेशान करेंगे? वीर सिंह की तरफ से उन्होंने महावीर के विरुद्ध केस भी दर्ज कर लिया है। खबर है कि घटना के दिन शुक्रवार को ही पुलिस मंदिर परिसर में लगे कैमरों की डीवीआर निकाल ले गई है।

फिरौती के दो लाख न देने पर वीर की मां-पत्नी को भी पीटा

29 जुलाई को कांठ थाने में दर्ज हुई एफआईआर में महावीर सिंह व उसके साथी रामचंद्र सिंह नामजद और कई अज्ञात हैं। प्राथमिकी के मुताबिक, घटना 28 जुलाई की शाम की है। वीर सिंह की तरफ से पुलिस को बताया है कि वीर सिंह का महावीर सिंह से भूमि विवाद चल रहा है। हर रोज की तरह वीर सिंह शुक्रवार शाम 5=30 बजे भी शिव मंदिर पहुंचे थे। यहां योजनाबद्ध तरीके से पहले से मौजूद महावीर सिंह ने 20 से अधिक लोगों को एकत्र कर रखा था। वीर सिंह को देखते ही इन लोगों ने बंधक बना लिया। अपहरण कर मंदिर परिसर से अलग ले जाकर जान से मारने की नियत से धारदार हथियार व लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। वीर सिंह के विनती करने पर हमलावर महावीर सिंह व रामचंद्र सिंह ने उनसे कहा कि अपने घर फोन करो और दो लाख रुपये फिरौती मांगने को कहा। जिस पर वीर सिंह ने मां प्रेमवती व पत्नी सुनीता को फोन कर बुलाया। मां-पत्नी के पैसे न लाने पर इन लोगों ने उन्हें भी मारा। परिजन के शोर मचाने पर कुछ अन्य लोग पीड़ितों की मदद में आए गए। भीड़ बढ़ते देख हमलावर झूठे केस में फंसाने की धमकी देते हुए निकल गए।

मंदिर पुजारी ने वीर सिंह के मामले को बताया ड्रामा

शिव मंदिर के पुजारी अरविंद ने बताया कि मंदिर के अंदर, बाहर और धर्मशाला में कुल छह सीसी कैमरे लगे हैं। इन कैमरों का डीवीआर पुलिस घटना के दिन ही शुक्रवार को जांच के लिए ले गई थी। पुजारी ने वीर सिंह के पूरे मामले को ड्रामा करार दिया है। कहा, शनिवार शाम करीब 7=50 बजे वीर सिंह ने बीमारी का ड्रामा बनाया तो उन्होंने ही उसे सीएचसी ले जाकर भर्ती कराया था। उन्होंने यह भी कहा कि वीर सिंह मंदिर की व्यवस्था को बदनाम करना चाहते हैं। कहा, मंदिर समिति का वीर सिंह से किसी भी तरह का कोई जमीनी विवाद नहीं है।

पहले गवाहों के बयान तो हों...

कांठ थानाध्यक्ष के सीयूजी नंबर पर एसएसआई सुभाष चंद्र ने बताया कि वीर सिंह सैनी की तहरीर पर महावीर व अन्य के विरुद्ध केस लिखा गया है। गिरफ्तारी से पहले गवाहों के बयान होंगे। वीर सिंह या अन्य घायलों की मेडिकल रिपोर्ट भी अभी नहीं आई है। महावीर व वीर सिंह के बीच में आपस में लड़ाई-झगड़ा हुआ था। इन दोनों की तहरीर आई थी। इसमें महावीर ने मंदिर पर लड़की से छेड़खानी के आरोप में वीर सिंह के विरुद्ध तहरीर दी थी, जबकि वीर सिंह ने मारपीट की तहरीर दी। वीर सिंह की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है। शनिवार को मंदिर पर जाकर वीर सिंह ने जहरीला पदार्थ खा लिया। पुलिस को जानकारी हुई तो वीर सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया। -संदीप कुमार मीना, एसपी देहा

जिले में राजस्व विभाग के 452 तालाबों में से 118 बन रहे अमृत सरोवर

उपलब्धि- भगतपुर टांडा विकास खंड में सर्वाधिक 24, कुंदरकी में 21, डिलारी और ठाकुरद्वारा में हैं 20-20 अमृत सरोवर

मुरादाबाद-जिले में मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी परियोजना अमृत सरोवरों को विकसित करने में पिछले वित्तीय वर्ष में तेजी से कार्य हुआ। हालांकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में नया अमृत सरोवर का लक्ष्य नहीं लिया गया है। महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत जिले में राजस्व विभाग के 452 तालाबों में से 118 अमृत सरोवर बन रहे हैं। इसमें से 111 अमृत सरोवरों का काम पूरा हो चुका है। राजस्व विभाग के आंकड़े के अनुसार भगतपुर टांडा में 42 तालाब हैं। इसमें से 24 को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें 20 के काम पूरे हो चुके हैं। जबकि कुंदरकी में 21 अमृत सरोवर पूरे हो चुके हैं। बिलारी में 6 में से 5, छजलैट में 17 में सभी, डिलारी में 20 में से 19 का काम पूरा हो चुका है। मुरादाबाद सदर ब्लॉक में 21 तालाबों में से सिर्फ 2 को अमृत सरोवर के रूप में विकसित किया गया। मूंढापांडे में 8 में से 7, ठाकुरद्वारा में 20 में सभी का काम पूरा हो चुका है।

भदासना अमृत सरोवर का मुख्य सचिव कर चुके हैं निरीक्षण

मूंढापांडे विकास खंड के भदासना ग्राम पंचायत में बने अमृत सरोवर का निरीक्षण मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने भी अपने भ्रमण के दौरान किया था। उन्होंने अधिकारियों के साथ मोटरबोट से सरोवर में भ्रमण किया था।

उन्होंने इसकी सराहना की थी। अमृत सरोवरों के विकास का काम तेजी से चल रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में चयनित 118 में से 111 अमृत सरोवर को विकसित करा दिया गया है। शेष 7 का काम भी जल्द पूरा होगा। यह कार्य महात्मा गांधी नरेगा योजना के अन्तर्गत चल रहा है। -सतीश प्रसाद मिश्र, परियोजना निदेशक, ग्राम्य विकास अभिकरण

हार्ट अटैक से हुई थी लाल बाग में राम गोपाल की मौत

मुरादाबाद-मुगलपुरा थाना क्षेत्र के लाल बाग में शुक्रवार रात 65 वर्षीय राम गोपाल की मौत हार्ट अटैक से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से इसकी पुष्टि हुई है। उनके सिर और शरीर पर चोट के एक भी निशान नहीं मिले हैं, जबकि परिवार के लोगों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दे दी थी।मुगलपुरा के लाल बाग निवासी रामगोपाल अपने परिवार के साथ अगवानपुर में किराये के मकान में रहते हैं, जबकि छोटे भाई बब्बू का परिवार लालबाग में ही रहता है। शुक्रवार रात रामगोपाल बब्बू के घर आए थे। शुक्रवार रात करीब साढ़े 11 बजे रामगोपाल की अचानक हालत बिगड़ गई थी। बब्बू के परिवार के लोग उन्हें जिला अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। घटना की सूचना मिलने पर अगवानपुर से रामगोपाल का बेटा छोटू भी जिला अस्पताल पहुंच गए थे। उसने पुलिस को बताया था कि उसके पिता चाचा के घर आए थे। यहां परिवार में किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि चाचा के पोते बंटी ने मेरे पिता को पीट दिया और उन्हें दीवार में धक्का दे दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। मुगलपुरा पुलिस ने शनिवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक से मौत होने की पुष्टि हुई है। उनके शरीर पर चोटों के निशान नहीं मिले हैं। सीओ कोतवाली देश दीपक सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में जो तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश लेकर अलीपुर सेशन कोर्ट पहुंची हसीन जहां

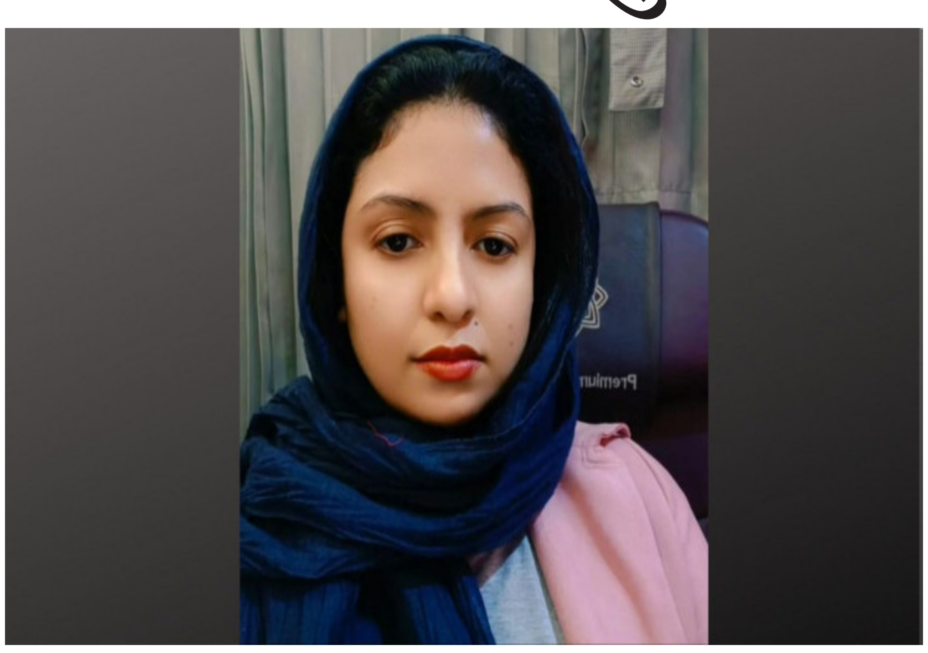

मुरादाबाद-आपराधिक पुनरीक्षण और मामले के निस्तारण के दिए हैं आदेश, 2019 से लंबित मामले में कोर्ट ने एक माह में तय की है सुनवाई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी और उनकी पत्नी हसीन जहां का विवाद फिर चर्चा में है। शारीरिक और मानसिक क्रूरता के मामले में हसीन जहां पश्चिम बंगाल के अलीपुर सेशन कोर्ट पहुंच गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस मामले में जारी आदेश की प्रति लेकर कोर्ट पहुंची हसीन जहां ने मोहम्मद शमी की मुश्किल बढ़ा दी हैं। साल 2019 में पारिवारिक विवाद में हसीन जहां ने पश्चिम बंगाल के अलीपुर कोट का दरवाजा खटखटाया था। हसीन ने तब इनके पति मोहम्मद शमी और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में कोर्ट में उपस्थित हुए शमी के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी वारंट पर रोक लगा दिया था। उस आदेश पर सुनवाई के बाद मोहम्मद शमी की गिरफ्तारी रुक गयी थी। जबकि प्रकरण की सुनवाई भी आगे नहीं बढ़ पाई थी। मामला अलीपुर के एसीजेएम कोर्ट में लंबित होने के मामले में पिछले महीने मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूण सहित तीन न्यायमूर्ति की पीठ ने अलीपुर कोर्ट को एक माह के भीतर मामले की अपराधिक पुनरीक्षण और निस्तारण के निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट से इस आदेश की कॉपी लेने के बाद हसीन जहां अब कोलकाता लौट गई हैं। दूरभाष पर अमृत विचार से बातचीत में हसीन जहां ने कहा कि हमने सेशन कोर्ट में आईपीसी 498-ए मामले के लिए जारी निर्देश की कॉपी प्रस्तुत कर दी है। मुझे उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित की गई समय अवधि के भीतर सेशन कोर्ट सुनवाई पूरी करेगा। हसीन जहां का कहना है कि चार साल से इस प्रकरण की सुनवाई स्थगित थी। आश्चर्य यह कि कोर्ट ने वर्ष 2019 के सितंबर महीने में केवल मोहम्मद शमी की गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। लेकिन, कोर्ट में पूरी प्रक्रिया ही रोक दी गयी थी। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश से मुझे न्याय मिलने की उम्मीद जगी है। मेरा मानना है कि मेरे साथ इंसाफ होगा और बेटी के साथ मैं अपनी बाकी जीवन के सुकून में गुजार सकूंगी।क्या है 498-ए का मतलब? अगर किसी शादीशुदा महिला पर उसके पति या उसके ससुराल वालों की ओर से किसी तरह की %क्रूरता% की जा रही है तो आईपीसी की धारा 498-ए के तहत ये अपराध के दायरे में आता है। क्रूरता, शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की हो सकती है। धारा 498-ए के तहत अपराध को गंभीर माना गया है। इसमें दोषी पाए जाने पर अधिकतम तीन साल की सजा तक का प्रावधान है। अगर शादीशुदा महिला की मौत शादी के सात साल के दौरान हो जाती है और जब तक यह साबित न हो जाए कि मौत किस वजह से हुई है? तो यह मानकर चला जाता है कि मौत संदिग्ध हालत में हुई है। यह मामला पुलिस आईपीसी की धारा 498-ए/302/304-बी के तहत केस दर्ज करती है- नचिकता वाजपेयी, अधिवक्ता हसीन जहां (सुप्रीम कोर्ट)।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

फर्जी नम्बर प्लेट लगाकर धोखाधडी से कुंतलो मूंगफली गायब कर बेचने वाले चार अभियुक्त गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिहं ने आज प्रेस कार्फ्रेंस के दौरान बताया कि विगत 21.07.2023 को वादी संजय गुप्ता पुत्र रामखिलाडी गुप्ता निवासी नवीन मन्डी थाना कोतवाली नगर द्वारा सूचना दी गयी कि वादी ने मन्डी समिति एटा से दिनांक 17.07.2023 को रात्रि मे संगम रोड लाइन्स रेलवे रोड मारहरा ट्रांसपोर्ट के मालिक आकिल पुत्र वली मोहम्मद के माध्यम से 135 कुन्टल मूंगफली कीमत करीब 10 लाख रुपये गुजरात के जनपद जूनागढ़ के ठेकेदार विनय के यहा भेजी थी, कैन्टर मालिक ने मूगफली भेजे गये स्थान पर नहीं पहुंचायी और उसे हड़पने के उद्देश्य से वादी को गुमराह कर रहा है। इस सूचना पर थाना कोतवाली नगर पर मुअसं0 553/2023 धारा 420, 406 भादवि पंजीकृत किया गया। उक्त घटना के सन्दर्भ में थाना कोतवाली नगर के प्रभारी निपीक्षक सुधीर कुमार सिहं के नेत्रत्व में गठित टीमों द्वारा उपरोक्त पंजीकृत अभियोग का सफल अनावरण करते हुये मुखबिर की सूचना पर गत शनिवार को रामलखन उर्फ राममूर्ति पुत्र रनवीर सिंह निवासी मुबारिक पुर थाना नसीरपुर जिला फिरोजाबाद को जीटी रोड महेश ढाबा थाना कोतवाली नगर के पास से न अरुण कुमार पुत्र सतीश चन्द निवासी साढूपुर थाना मक्खनपुर जिला फिरोजाबाद तथा राजीव कुमार पुत्र उमरपाल सिंह निवासी ढोलपुरा थाना लाइनपार जिला फिरोजाबाद को ढोलपुरा गांव में कृष्णा ढाबा की पार्किंग थाना लाइन पार जनपद फिरोजाबाद से घटना में प्रयुक्त आयशर कैन्टर कीमत करीब 25 लाख व दो फर्जी नम्बर प्लेट सहित तथा गीतम सिंह पुत्र सोने लाल निवासी नगला दौलत थाना कोतवाली मैनपुरी जनपद मैनपुरी को आज रविवार को थाना कोतवाली मैनपुरी क्षेत्र अंतर्गत मधाऊ रोड पर राजेश कुमार व गीतम सिंह के गोदाम से 178 कट्टा मूंगफली साबुत व 47 कट्टा मूंगफली के दाने कीमत करीब 10 लाख सहित, गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा माल बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411, 414, 467, 468, 471, भादवि की बढोत्तरी करते हुए अभियुक्तों के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुऐ जेल भेजा जा रहा है , साथ ही फरार अभियुक्त राजेश पुत्र गीतम सिहं निवासी नगला दौलत थाना कोतवाली मैनपपुरी की गिरफ्तारी हेतु सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

निरन्तर दो प्रसूताओं की मौत के बाद सन्मति सेवाधाम हॉस्पीटल पर चला सीएमओ का चाबुक

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-शहर में रजिस्टर्ड एवं अनरजिस्टर्ड नर्सिगं होम व हॉस्पीटलों पर लापरवाही के चलते लगातार हो रहीं प्रसूताओं की ताबतोड मौतों के बाद आज रविवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. उमेश कुमार त्रिपाठी के आक्रामक तेवर एक अलग अन्दाज में उखडे उखडे से नजर आऐ !

उनके कडे निर्देशों के चलते अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राममोहन तिवारी एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सर्वेश कुमार द्वारा रविवारीय अवकाश के बाद भी प्रधान सहायक ठा. पुष्पेन्द्र सिहं व अन्य कर्मचारियों को लेकर शहर के नामचीन चिकित्सक डा. शैलेन्द्र जैन व डा. रूपा जैन के सुभाष मूर्ति स्थिति सन्मति सेवाधाम हॉस्पीटल पर छापामार कार्यवाही करते हुऐ आप्रेशन थियेटर को सीज कर दिया गया तथा संचालक को नोटिस देकर विभागीय जांच में सहयोग की अपेक्षा की गयी है !

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राममोहन तिवारी ने हमारे संवाददाता को बताया कि उक्त हॉस्पीटल में निरन्तर दो प्रसूताओं की कुछ न कुछ लापरवाही के चलते आप्रेशन के बाद म्रत्यु होने के बाद अफरा तफरी का माहौल उतपन्न हुआ तथा म्रत प्रसूताओ के परिवारीजनों द्वारा उपचार व आप्रेशन में घोर लापरवाही के आरोप लगाऐ गऐ है ! इसलिऐ उक्त पंजीक्रत हॉस्पीटल का ओ.टी. सीज किया गया है ! उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. सर्वेश कुमार के मुताबिक शनिवार को गांव पैसई निवासी प्रसूता पूनम को उसके परिवारीजन प्रसव वास्ते यहां लाऐ थे जिसकी आप्रेशन में लापरवाही के चलते म्रत्यु हो गयी तथा इससे पूर्व भी इसी माह इसी हॉस्पीटल में एक अन्य महिला की भी प्रसव आप्रेशन में बरती गयी लापरवाही के चलते म्रत्यु हो गयी ! निरन्तर हो रहीं प्रसूताओं की मौतों में कहीं न खामियां जरूर रही होगीं इसलिऐ ओ.टी. सीज कर सीएमओ डा. उमेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में जांच टीम गठित की गयी है जिसमें कई पहलुओं पर जांच की जाऐगी ! सन्मति सेवाधाम हॉस्पीटल के संचालक डा. शैलेन्द्र जैन ने बताया कि वरिष्ठ चिकित्सकों की निगरानी में ही सभी पैथलॉजी जांचे आदि कराकर ही प्रसूताओं की नार्मल / सर्जरी डिलीवरी की जाती है , परन्तु कहां खामियां रह गयी हैं उनको आगे के लिऐ चिन्हित कर ही सीजर आप्रेशन किऐ जाऐगें ! उन्होने कहा कि प्रत्येक चिकित्सक मरीज के बेहतर उपचार के लिऐ प्रयास करता है ! उनकी व्यक्तिगत तौर पर म्रतक प्रसूताओं के प्रति उनकी गहरी संवेदना है तथा उनका प्रयास होगा कि भविष्य में उनके हॉस्पीटल पर किसी मरीज के साथ कोई हादसा न घटित हो !

डायट प्राचार्य की अध्यक्षता में डायट की मासिक अकादमिक समीक्षा बैठक आयोजित

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-डायट प्राचार्य की अध्यक्षता में डायट की मासिक अकादमिक समीक्षा बैठक आयोजित, दिसम्बर तक शत प्रतिशत जनपद को निपुण बनाने के निर्देश, लापरवाही वर्दाश्त नहीं अब कार्यवाही होगी-डॉ. जितेंद्र सिंह जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की मासिक अकादमिक समीक्षा बैठक का आयोजन डायट प्राचार्य डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, कार्यालय के जिला संकुल भवन में हुआ। बैठक में विद्यालयों द्वारा किए जा रहे
प्रयासों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया और सपोर्टिव सुपरविजन के दौरान आ रही चुनौतियों के बारे में चर्चा की गई और इसे लगातार करने के निर्देश दिए गए, प्राचार्य डॉ. जितेंद्र सिंह ने जनपद के प्रत्येक विद्यालय में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत की जाने वाली विभिन्न गतिविधियां संचालित कराए जाने के निर्देश दिए। शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा दीक्षा एप, स्विफ्ट चैट ऐप एवं निपुण लक्ष्य एप का अधिक से अधिक उपयोग करने आदि के बारे में चर्चा की गई। साथ ही कहा कि दिसम्बर तक शत प्रतिशत जनपद को निपुण बनाना है। डाइट द्वारा ऑनलाइन निरीक्षण

वन स्टॉप सेंटर में मां को लेने के लिए पहुंचे तीन पुत्र

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-वन स्टाप सेंटर में रह रही मां लाडो देवी को लेने के लिए शनिवार को तीन पुत्र पहुंचे। तीनों पुत्रों में मां बड़े बेटे के साथ रहने को राजी हुई। इसके बाद सेंटर प्रभारी जागृति चतुर्वेदी ने तीनों पुत्रों से जिम्मेदारी उठाने का शपथ लेकर लाडो देवी को उनके साथ भेजा है।

वन स्टाप सेंटर प्रभारी जागृति चतुर्वेदी ने बताया कि लाडो देवी पत्नी दुर्ग सिंह ने डीएम से घर से निकाले जाने की शिकायत की थी। डीएम के आदेश के बाद लाडो देवी वन स्टाप सेंटर पर पहुंची। शनिवार को लाडो देवी के तीन पुत्रों राजेश, बृजेश और सर्वेश को स्टाफ सेंटर पर बुलाया गया। वहां पर चारों में हुई बातचीत के बाद लाडो देवी बड़े बेटे राजेश के साथ रहने को तैयार हुई। उसके बाद सेंटर पर तीनों पुत्रों को जिम्मेदारी उठाने का शपथ पत्र लिया। साथ ही शपथ दिलायी गई। उसके बाद लाडो देवी को उनके पुत्रों के साथ भेज दिया गया।

नगर पंचायत रिठौरा में नाला निर्माण शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।नगर पंचायत रिठौरा में बेहतर जल निकासी के लिए चेयरमैन लगातार प्रयासरत हैं। ताकि नगर में कहीं भी जलभराव की समस्या न हो।नगर की मैन होली चौक गली में लम्बे समय से जरा सी बरसात में गलियां जलमग्न हो जातीं थीं। चेयरमैन बनते ही प्रतिनिधि अमित गुप्ता ने नगर में सड़कों तथा नालों के निर्माण में रूचि लेते हुए नये नाले के निर्माण का कार्य रविवार से शुरू करवा दिया। सुपरवाइजर मयंक पाण्डेय ने बताया शीघ्र ही नगर में जहां -जहां सड़कों का निर्माण होना है। शीघ्र ही उनपर भी काम शुरू होगा। वहीं लगातार नगर में मच्छरों के प्रकोप से बचाने

के लिए दवाओं का छिड़काव नगर में करवाया जा रहा है।

चार बच्चों का बाप एक बच्चे की मां को लेकर हुआ फरार, पुलिस जुटी तलाश में

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर का एक चार बच्चों का पिता थाना इज्जतनगर के एक गांव से दूसरे समुदाय की? एक बच्चे की मां को बहला-फुसलाकर ले गया। मामला दो सम्प्रदायों से जुड़ा होने से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी है। लगातार दूसरे समुदाय के लोग गांवों में फेरी करने के बहाने महिलाओं और बच्चियों को भड़काकर उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसाकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

कर्बला में दफन हुए ताज़िए, उमड़ी अकीदतमंदों की भारी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।यौमे अशुरा, हज़रत इमाम हुसैन की शहादत पर अकीदतमंदों रमजान रखकर गम का इजहार किया। नगर से ताज़िए शाम को कर्बला पहुंचे जहां उन्हें पूरी अकीदत के साथ दफ़न किये गये। वहीं भण्डसर, बंजरिया, सावरखेड़ा, मुंडिया अहमदनगर,लभेड़ा उर्फ़ बुलंद नगर, दिहोरिया जागीर, गुपलापुर, मुल्लापुर में भी ताज़िए शाम को दफनाने गये। कर्बला में न्याज़ लगाई गई।इस मौके पर अमित गुप्ता, धनपाल सिंह, अब्दुल हलीम उर्फ़ गरीब अहमद, जाकिर मंसूरी सलीम अंसारी, इरशाद अंसारी, रमेश वर्मा,जान मोहम्मद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

KNLS Live
सम्पर्क करे-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

स्कूल प्रबंधक व घरवाले घायल हो गए थे, प्रबंधक की इलाज के दौरान मौत

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-,मिरहची। मैनपुरी में चल रही महाशिव पुराण कथा सुनकर शुक्रवार को लौटते समय कार ट्रॉला में टकरा गई थी। इसमें स्कूल प्रबंधक व घरवाले घायल हो गए थे। प्रबंधक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

बता दें कि कस्बा मिरहची निवासी स्कूल प्रबंध विनय गुप्ता, पत्नी गीता गुप्ता, मां कुसुम लता, बेटा शौर्य, बेटी वैष्णवी मैनपुरी में चल रही महाशिव पुराण कथा सुनने के लिए गुरुवार रात्रि गए थे। शुक्रवार को कथा सुनने के बाद दोपहर को घर लौट रहे थे। थाना मलावन के गांव सैंथरी के पास कार की ट्रॉला से भिड़ंत हो गई। कार में सवार बेटी वैष्णवी को छोड़ चारों परिजन गंभीर घायल हो गये थे। चारों को गंभीर हालत पर आगरा रेफर कर दिया था। शनिवार सुबह विनय गुप्ता की मौत हो गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ के लाइव प्रसारण के वक्त बिजली ने दिया धोखा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। शनिवार को मुहर्रम की छुट्टी रद्द होने के बाद भारी मन से स्कूल, कालेज तो खुले जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ का सजीव प्रसारण होना था।तो उस वक्त बिजली ही गायब हो गई। प्राथमिक विद्यालय रिठौरा में शिक्षिकाओं ने अपने -अपने मोवाइल से सजीव प्रसारण देखा। हालांकि प्रधानाचार्या एकता सक्सेना ने लाइव प्रसारण दिखाने के लिए प्रोजेक्टर रूम में विशेष तैयारियां की लेकिन बिजली न आने से सब धरी रह गयीं। वहीं दरबारी लाल शर्मा इण्टर कॉलेज में प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह के नेतृत्व में समस्त स्टाफ ने कम्प्यूटर कक्ष में बिजली न होने के चलते लैपटॉप पर कार्यक्रम का सजीव प्रसारण स्टाफ ने देखा। वहीं प्राथमिक विद्यालय खाता में प्रधानाचार्य गंगाराम के नेतृत्व में कुंवरपर बंजरिया में प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य रामप्रकाश शर्मा एवं कुंवरपुर नवीन में कृष्ण अवतार सक्सेना के नेतृत्व में प्राथमिक विद्यालय में बच्चों ने लैपटॉप पर सजीव प्रसारण देखा। कुंवरपुर स्थित जूनियर हाईस्कूल सुबह 11बजे बन्द मिला। खण्ड शिक्षा अधिकारी बिथरीचैनपुर अवनीश कुमार ने मामले की जांच कर बन्द स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

दबंगों के आगे नतमस्तक हुई थाना मऊ दरवाजा की पुलिस

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद-फर्रुखाबाद मे दबंगों के आगे नतमस्तक हुई थाना मऊ दरवाजा की पुलिस थाना पुलिस से साथ गांठ होने के चलते दबंगों ने की गुंडई घर के बाहर बैठे बुजुर्ग से दबंगों ने बुजुर्ग के घर की महिलाओं के बारे में बोले अपशब्द और महिलाओं से की छींटाकशी बुजुर्ग के विरोध करने पर एक दर्जन दबंगों ने लाठी-डंडों से लैस होकर बुजुर्ग के घर में घुसकर आधा दर्जन दबंगों लो गो के साथ की मारपीट जमकर मचाया

तांडव पीड़ित महिलाओं ने मारपीट के दौरान सोने की चैन छीनने का भी दबंगों पर लगाया आरोप खून से लथपथ आधा दर्जन लोग महिलाओं सहित हुए घायल सभी घायल महिलाओं सहित पहुंचे थाने थाना पुलिस की सांठगांठ होने के चलते हैं थाना पुलिस ने कि अभी तक दबंगों पर कोई कार्रवाई खबर कवरेज करने थाने पहुंचे पत्रकार को भी दरोगा जी ने खबर करने से रोका थाना मऊ दरवाजा मिल लगता है दलालों का जमावड़ा किसी किसी घटना को कवर करने पहुंचते पत्रकारों देख बौखला जाती है मऊ दरवाजा थाना पुलिस थाना पुलिस से मिलीभगत होने के चलते दबंगों के हौसले बुलंद पीड़ित के परिजनों ने पुलिस पर लगाए कार्यवाही न करने के आरोप थाना मऊ दरवाजा पुलिस नहीं मानती है पुलिस के उच्च अधिकारियों का आदेश थाना मऊ दरवाजा पुलिस पर लगातार लगते रहते हैं आरोप लेकिन यह थाना मऊ दरवाजा पुलिस है इसको किसी का डर नहीं है मामला थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के भीकमपुर मोहल्ले का

29 जुलाई को अर्जेंटीना के साथ हुए वॉलीबॉल मैच में भारतीय टीम की जीत में मुख्य भूमिका निभाने वाले एससीडी सरकारी कॉलेज के जसजोध सिंह ने रचा इतिहास

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - एससीडी सरकारी कॉलेज, लुधियाना के जसजोध सिंह वर्तमान में चीन में आयोजित विश्व-विश्वविद्यालय खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र वॉलीबॉल खिलाड़ी हैं। 29 जुलाई को अर्जेंटीना के साथ हुए मैच में उन्होंने भारतीय टीम की जीत में मुख्य भूमिका निभाई। अगला मुकाबला आज 30 जुलाई को चीन से है। 21 साल के और 6 फीट 10 इंच लंबे जसजोध सिंह बीए तीसरे वर्ष के इसी कॉलेज के छात्र हैं। वह वर्ष 2021 में कॉलेज में शामिल हुए। कॉलेज के खेल विभाग के प्रोफेसर कुलवंत सिंह और कोच सुनील कुमार की अध्यक्षता में कॉलेज शारीरिक् शिक्षा और खेल विभाग के संयुक्त प्रयासों ने इस युवा खिलाड़ी की प्रतिभा को सामने लाया। 2021 में जसजोध ने यूथ नेशनल खेल कर अपनी प्रतीभा को प्रदर्शित किया, 2022 में उन्होंने ऑल इंडिया इंटरवर्सिटी और यूथ नेशन खेला और तीसरा स्थान हासिल किया। 2022-23 में उन्होंने भावनगर, गुजरात में राष्ट्रीय खेलों में खेला। फिर गुवाहाटी में आयोजित सीनियर नेशनल में। पुडुचेरी में फरवरी में हुए कप में उनका चयन एशियाई खेलों के राष्ट्रीय शिविर के लिए हुआ। इस दौरान उन्होंने चीन में स्न्ढ्ढस्ह्र गेम्स के लिए ट्रायल दिया और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 के लिए चुने गए। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. तनवीर लिखारी ने कॉलेज के लिए गौरव के इस क्षण के लिए जसजोध और शारीरिक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों को बधाई दी।

मुहम्मद रफ़ी संगीत परिवार ने मनाई सालगिरह और कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - स्थानीय पंजाबी भवन में संगीत सम्राट मुहम्मद रफी संगीत परिवार द्वारा मुहम्मद रफी का 43वां जन्मदिन मनाया गया, जिसका उद्घाटन लुधियाना सिटीजन काउंसिल के अध्यक्ष दर्शन अरोड़ा ने ज्योत जलाकर किया, मंच सचिव मैडम बबीता जैन ने नेताजी सोंधी द्वारा मुहम्मद रफी के गीत के साथ कार्यक्रम की खूबसूरती से शुरुआत की। इवेंट कार्यक्रम के दौरान राज भाखरी, अशोक सल्होत्रा, संजीव जैन, बीएस आहूजा, डॉ. सतीश नोहरियां, डॉ. अमरजीत सिंह कालरा, रमेश बत्रा, सीपी सिंह, सतनाम सिंह धुना, अजय सिद्धू, मंजीत सिंह बोपाराय, मैडम स्वीटा स्वी, सुखमिंदर सिंह, आईएस खन्ना , जे जे अरोड़ा, राकेश कपूर, आदि ने भी गाने गाए और दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर दिया।

गरीब किसान का बारिश में गिरा मकान, तहसील से जांच करने नहीं पहुंचा कोई अधिकारी

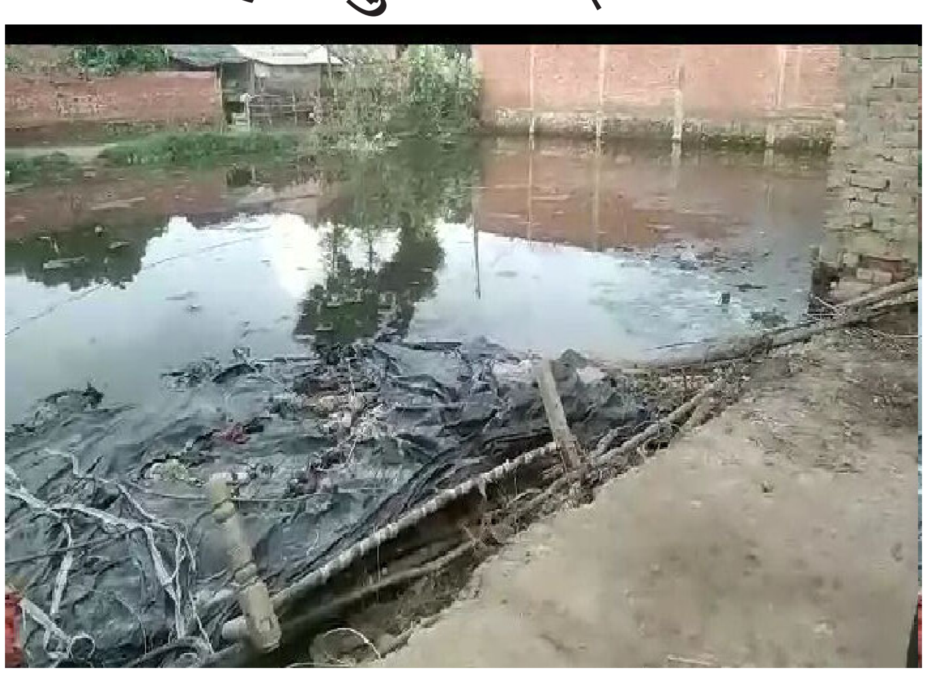

क्यूँ न लिखूँ सच

जनपद बरेली शाही - थाना शाही क्षेत्र के गांव कुल्छा की गोटिया में गरीब किसान अंगन लाल का कच्चा मकान बारिश में गिरा। मीरगंज तहसील प्रशासन को सूचना देने के बाद भी नहीं पहुंचा कोई अधिकारी। जानकारी के अनुसार कुल्छा गांव निवासी क्षेत्र पंचायत सदस्य ब्लाक फतेहगंज पश्चिमी विक्रम सिंह यादव ने बताया कुल्छा गांव में ग़रीब किसान अंगन लाल पुत्र बेनी राम मेहनत मजदूरी कर रोजी-रोटी कर घर गृहस्ती चलाता था। उनका मकान बारिश के चलते गिर गया। उनके घर में रखा खाने पीने का सामान खटिया, कपड़े आदि चीजें खराब हो गई। जिससे उनका काफी नुकसान हो गया। मीरगंज प्रशासन को सूचना देने के बाद भी कोई भी अधिकारी जांच करने नहीं पहुंचा। पीड़ित गरीब किसान अंगन लाल ने बताया हमारे घर के पीछे अशोक राजपूत पुत्र दुर्गाशंकर का खेत है। इस खेत में बारिश का और गांव की नालियों का पानी जाता है। जिससे वहां पानी जमा हो जाता है। उन्होंने बताया कि अगर पानी इसी तरह जमा रहा तो वहां रह रहे कुछ पड़ोसियों के मकान में सीलन पहुंचने के कारण मकान गिर सकते हैं। जिस तरह बारिश में मेरा मकान गिर गया। अंगन लाल कहना है कि प्रशासन या खेत मालिक उस जगह मिट्टी का पटान करा देता है तो आगे कोई अनहोनी नहीं होगी। गरीब किसान अंगन लाल ने का कहना है कि शासन बारिश ने गिरी मेरे मकान का सर्वे कराकर प्राकृतिक आपदा के तहत मिलने वाली धनराशि को जल्द से जल्द दिलवाने का कष्ट करें।

सांसद अरोड़ा के सवाल के जवाब में रेल मंत्री ने रेलवे में ऑपरेशनल सेफ्टी की कमी को किया स्वीकार

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे में रिक्त पदों के बारे में लुधियाना से सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में खुलासा किया है कि 1 जुलाई, 2023 तक कुल 2,61,233 रिक्तियों में से, परिचालन सुरक्षा श्रेणियों (ऑपरेशनल सेफ्टी कैटेगरीज़) की रिक्तियां 53,178 हैं।सदन के पटल पर अपना वक्तव्य रखते हुए रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे के आकार, स्थानिक वितरण और संचालन की गंभीरता को देखते हुए रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक निरंतर प्रक्रिया है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि जहां 2004-2014 की अवधि के दौरान भारतीय रेलवे में नियुक्ति के लिए 411624 उम्मीदवारों को सूचीबद्ध किया गया था, वहीं 1 अप्रैल 2014 से 30 जून 2023 तक की नौ साल की अवधि में 486031 उम्मीदवारों (प्रोविज़नल) को सूचीबद्ध किया गया है। 1 जुलाई 2023 तक कुल रिक्तियां 2,61,233 हैं, ऑपरेशनल सेफ्टी श्रेणियों की रिक्तियां 53,178 हैं।इस बीच, अरोड़ा ने उम्मीद जताई कि रेलवे के दुर्घटना-मुक्त परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी रिक्तियां, विशेष रूप से परिचालन सुरक्षा श्रेणियों में, जितनी जल्दी हो सके भर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि जरूरत है कि सरकार रेलवे में सभी रिक्त पदों को भरे क्योंकि बड़ी संख्या में युवा सरकारी क्षेत्र की नौकरियों की तलाश में हैं, खासकर भारतीय रेलवे में, जो योग्यता और क्षेत्र के मुताबिक अच्छा वेतन पाने का एक बेहतर विकल्प माना जाता है।

विजीलैंस ब्यूरो द्वारा 70,000 रुपए रिश्वत लेने के दोष में पीएसपीसीएल का जेई काबू

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - पंजाब विजीलैंस ब्यूरो द्वारा सूबे में भृष्टाचार विरुद्ध शुरु की मुहिम दौरान आज लुधियाना जिला के सिद्धवां बेट में तैनात पीएसपीसीएल के जूनियर इंजीनियर जसमेल सिंह को 70, 000 रुपए रिश्वत लेने के दोष में गिरफ़्तार किया गया है। उक्त पीएसपीसीएल कर्मचारी को सुरिंदर सिंह निवासी गांव खुरशेदपुर तहसील जगरावां की शिकायत पर गिरफ़्तार किया गया है। इस संबंधी जानकारी देते हुए विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि सुरिंदर सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई

कि उसके घर के लिए अलग ट्रांसफार्मर लगाने बदले उक्त जे. ई. ने उससे पास से 70, 000 रुपए रिश्वत के लिए हैं। प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायत की जांच उपरांत कर्मचारी जे. ई. जसमेल सिंह के ख़िलाफ़ भृष्टाचार रोक थाम कानून की धारा 7 के अंतर्गत एफआईआर. नंबर 09, तिथि 30- 07- 2023 को थाना विजीलैंस ब्यूरो, लुधियाना के आर्थिक अपराध विंग (ई.ओ.डब्ल्यू.) में केस दर्ज किया गया है।

मोदी जी ने 15 अगस्त को हर घर तिरंगा फहराने अपील की

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - लुधियाना -जिला भाजपा अध्यक्ष रजनीश धीमान के दिशा निर्देश पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 卐मन की बात卐 का 103 वां एपिसोड टेलीकास्ट लुधियाना शहर के लगभग 95 वार्डो में पांच से छ अलग अलग स्थानों पर भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों और स्वं सुना गया।मन की बात में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी बाढ़ की स्थिति पर चर्चा कर रहे हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने बताया की मन की बात का कार्यक्रम में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी कई ऐसी घटनाओं को जिक्र करते हैं, जिनसे जनता सीधे तौर पर सरकार से जुड़ाव महसूस करती है दरअसल हर महीने की अंतिम रविवार को पीएम मोदी मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से जनता से संवाद करते है। इसी कड़ी में ऋषि नगर मंडल की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ,जिलाध्यक्ष रजनीश धीमान,पंजाब भाजपा के कोषाध्यक्ष गुरदेव शर्मा देवी,मुख्य प्रवक्ता अनिल सरीन विशेष रूप से उपस्थित हुए।मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से जल संरक्षण और वृक्षारोपण करने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी के 75 साल पूरे होने पर हम सभी पूरे उत्साह से अमृत महोत्सव मना रहे हैं। अमृत महोत्सव के दौरान देश भर में करीब दो लाख कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।इस मौके तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा से लोगो में देश भक्ति की भावना पैदा होगी।इस मौके पर भाजपा प्रदेश के व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दिनेश सरपाल,भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पेंदर सिंगल,जिला महामंत्री कांतेन्दु शर्मा, सरदार नरेंद्र सिंह मल्ली,पंजाब भाजपा के प्रवक्ता गुरदीप सिंह गोशा,पंजाब भाजपा कार्यकारिणी सदस्य जतिंदर मित्तल, प्रवीन बंसल,राजीव कतना,डा.डीपी खोसला,जिला उपाध्यक्ष महेश शर्मा, डा. निर्मल नय्यर, पंकज जैन, यशपाल जनोत्रा, जिला प्रेस सचिव डा.सतीश कुमार,जिला सह प्रेस सचिव संजीव धीमान, एससी मोर्चा प्रधान कुलविंदर सिंह, विपन विनायक, राजीव शर्मा, गौरव अरोड़ा, पल्लवी विनायक, सीमा शर्मा,विकास अरोड़ा,सुरेश गौड़ आदि मौजूद थे।

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढ़ता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करें
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

विपक्षी सांसदों ने कहा- मणिपुर में स्थिति बहुत गंभीर, सरकार नहीं उठा रही कड़े कदम

लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष चौधरी ने मणिपुर से लौटने के बाद नई दिल्ली में हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, मणिपुर के लोगों के मन में डर और अनिश्चितता है। मणिपुर में स्थिति बहुत गंभीर है।कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को विपक्षी गठबंधन (ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ.) के एक प्रतिनिधिमंडल के मणिपुर के दो दिवसीय दौरे से लौटने के बाद केंद्र और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। चौधरी ने कहा कि राज्य में अनिश्चितता और भय व्याप्त है और केंद्र और राज्य सरकार वहां बहुत गंभीर स्थिति से निपटने के लिए कोई मजबूत कदम नहीं उठा रही है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ.) ने इस बात पर जोर दिया कि मणिपुर में करीब तीन महीने से चल रहे जातीय संघर्ष को जल्द हल नहीं किया जाता है, तो इससे देश के लिए सुरक्षा समस्याएं पैदा हो सकती हैं।इससे पहले दिन में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के 21 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इंफाल के राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से भी मुलाकात की और यात्रा के दौरान अपने अवलोकन से संबंधित राज्य के मौजूदा हालात पर एक ज्ञापन सौंपा। लोकसभा में कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष चौधरी ने मणिपुर से लौटने के बाद नई दिल्ली में हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, मणिपुर के लोगों के मन में डर और अनिश्चितता है। मणिपुर में स्थिति बहुत गंभीर है। उन्होंने कहा, मणिपुर में अनिश्चितता मंडरा रही है। हजारों लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। उन्हें नहीं पता कि वे अपने घरों में कब लौटेंगे। खेती ठप हो गई है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि कुकी और मैतेई के बीच विभाजन को कैसे पाटा जाएगा। चाहे वह केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, उनके द्वारा कोई मजबूत कदम नहीं उठाया गया है। गौरतलब है कि मणिपुर मुद्दे ने संसद के मानसून सत्र को हिलाकर रख दिया है और विपक्षी गठबंधन बहस से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान देने पर दबाव बना रहा है। जबकि विपक्ष ने अब लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया है। वहीं, सरकार ने मणिपुर की स्थिति से निपटने के अपने तरीके का बचाव किया है और इस बात पर जोर दिया है कि वह अतीत की सरकारों की तुलना में अधिक सक्रिय रही है, जब राज्य में जातीय हिंसा भड़क उठी थी। हालांकि, विपक्षी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सरकारी मशीनरी मणिपुर जातीय संघर्ष को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 卐चुप्पी卐 की आलोचना की। विपक्ष ने प्रधानमंत्री पर पूर्वोत्तर राज्य में चल रही स्थिति के प्रति निर्लज्ज उदासीनता卐 दिखाने का आरोप लगाया। चौधरी ने एक पुरानी कहावत %नीरो बांसुरी बजा रहा था, जबकि रोम जल रहा था% की तर्ज पर कहा कि 卐सारा मणिपुर जल रहा है और पीएम बांसुरी बजा रहे हैं।

टीएमसी नेता सुष्मिता देव ने कहा, मुझे लगता है कि मणिपुर के सीएम (एन बीरेन सिंह) पर से विश्वास पूरी तरह खत्म हो गया है। आम लोग और जनता अब मणिपुर के सीएम का समर्थन नहीं कर रहे हैं। मणिपुर के राज्यपाल उइके को सौंपे गए ज्ञापन में दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने वाले विपक्षी सांसदों ने राज्य में शांति और सद्भाव लाने के लिए प्रभावित लोगों के तत्काल पुनर्वास की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में लगातार गोलीबारी और घरों में आगजनी की खबरों से यह बिना किसी संदेह के तय हो गया है कि राज्य मशीनरी पिछले लगभग तीन महीनों से स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रही है। इस प्रतिनिधिमंडल में अधीर रंजन चौधरी और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई के अलावा तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुष्मिता देव, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की महुआ माजी, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की कनिमोई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के पीपी मोहम्मद फैजल, राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के जयंत चौधरी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मनोज कुमार झा, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एनके प्रेमचंद्रन और वीसीके से टी तिरुमावलावन एवं डी रविकुमार शामिल रहे। जनता दल (यूनाइटेड) के राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह एवं अनिल प्रसाद हेगड़े, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के संदोश कुमार, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एए रहीम, सपा के जावेद अली खान, आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर, आम आदमी पार्टी के सुशील गुप्ता और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अरविंद सावंत भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में तीन मई को 'आदिवासी एकजुटता मार्च' के आयोजन के बाद राज्य में भड़की जातीय हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई सौ लोग घायल हो गए हैं। पूर्वोत्तर राज्य की आबादी में मैतेई समुदाय के लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी जैसे आदिवासियों की आबादी 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

आरएसएस प्रमुख बोले- करुणा के साथ कर्तव्य समाज के लिए सच्ची सेवा, कैंसर अस्पताल की रखी आधारशिला

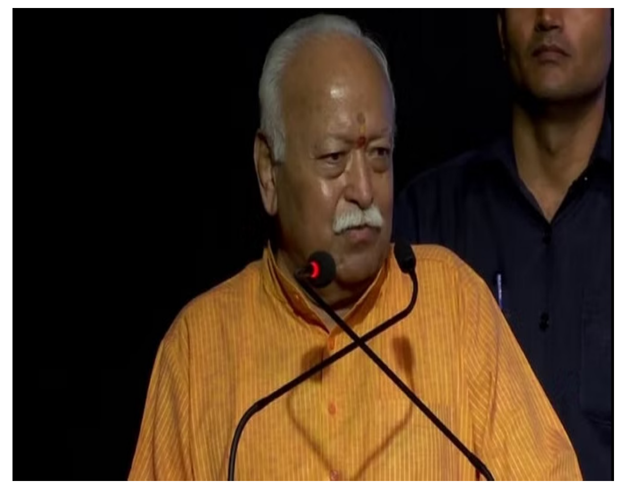

भागवत ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य रोटी, कपड़ा और मकान की तरह समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सुविधाएं अपर्याप्त हैं और समय की मांग सस्ता और सुलभ स्वास्थ्य ढांचा है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि करुणा के साथ समाज के प्रति कर्तव्य ही सच्ची सेवा है। धर्मवीर आनंद दिघे कैंसर अस्पताल और एक मंदिर परिसर की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत उन्होंने कहा कि अगर पवित्रता के साथ काम किया जाए तो जीवन बचाना सर्वशक्तिमान के प्रति सेवा है। उन्होंने कहा, दुख को मिटाने की भावना के साथ और बिना किसी स्वार्थी उद्देश्य और अहंकार के मानव जाति की सेवा दूसरों के प्रति कर्तव्य को समझना है। भागवत ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य %रोटी, कपड़ा और मकान% की तरह समान रूप से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सुविधाएं अपर्याप्त हैं और समय की मांग सस्ता और सुलभ स्वास्थ्य ढांचा है। भागवत ने भरोसा जताया कि प्रस्तावित कैंसर अस्पताल समाज को लाभान्वित करेगा क्योंकि यह दुख और कठिनाइयों को दूर करने की वास्तविक भावनाओं के साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जीवन बचाना ईश्वर की सेवा है और इससे लोगों में उम्मीद जगी है कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने आरएसएस की ओर से अस्पताल परियोजना के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

असलहों के बल पर सीएससी संचालक से लूटे 2.25 लाख

योगेश मुदगल
क्यूँ न लिखूँ सच

मारहरा का निवासी पीड़ित मिरहची में संचालित करता था ग्राहक सेवा केंद्र एसएएसपी और एसओजी टीम ने घटनास्थल का किया निरीक्षण मारहरा। थानाक्षेत्र में सीएससी संचालक से हुई 2.25 लाख की लूट से इलाके में हड़कंप मच गया। मारहरा का निवासी मिरहची में सीएससी चलाता था। साथ ही एसबीआई की मिनी बैंक का भी संचालक करता था। घटना की सूचना पर जिले के पुलिस अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। उन्होंने मौक पर पहुंच कर पीड़ित से बात की।

साथ ही घटनास्थल का निरीक्षण भी क्रिया। मारहरा के मुहल्ला कायस्थान निवासी रवेन्द्र पुत्र राजपाल मिरहची में ग्राइक सेवा केन्द्र चलाता है। उसी में भातीय स्टेट बैंक की मिली बैंक भी संचालित करता है। उसने बताया कि रोजाना की भांति रविवार को भी वह लगभग आठ बजे केन्द्र बंद कर बाईक द्वारा मारहरा वापस आ रहा था। साथ में 15 पूर्षीय पुत्र तपेश भी था। अभी यह लोग मोती की सराय और इनाम नगर के बीच ही पहुंच पाये थे कि तभी बाईक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया और अवैध तमंचों के बल पर बैग में रखे सवा दो लाख रुपये के अलावा पर्स में रखें 17 हजार रूपये और मोबाईल लूट कर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। मार्ग से गुजर रहे अन्य लोगों को घटना की जानकारी हुई,

जो यह सूचना स्थानीय पुलिस को लगी। लूट की घटना की जानकारी होते ही पुलिस विभाग में हड़कम्प मच गया। आनन फानन में एसओ मारहरा सत्यपालसिंह के अलावा सर्किल के मिरहची और पिलुआ का पुलिसबल की मौके पर पहुंच गया। अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय सिंह कुशवाह भी सूचना पाकर मौके पर पहुचे और पीडित से घटना की जानकारी ली। उधर मुख्य मार्ग पर सीएससी संचालक से हुई लूट की खबर आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई। घटनास्थल पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। कुछ ही देर में एसओजी प्रभारी विनोद यादव के नेत्रत्व में पहुंची टीम ने मौके की जाँच कर साक्ष्य इकट्ठा किये। वहीं घटना के बारे में एएएसपी धनंजयसिह कुशवाह ने बताया कि पीड़ित से घटना के बारे में जानकारी ली जा रही है।

पीडित की तहरीर के आधार पर अज्ञात लुटेरों के विरूद्ध मामला पंजीकृत किया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक पीडित द्वारा तहरीर नहीं दी जा सकी थी। कांवड़ यात्रा के चलते व्यस्त थी पुलिस-वर्तमान में मारहरा से कांवड़ यात्रा भी जोर शोर के साथ गुजर रही है। इसकी व्यवस्था के लिए मारहरा पुलिस ने विशेष इंतजाम भी किये हैं । अधिकांश पुलिसबल की ड्यूटी कावड मार्ग पर लगाई गई है। इसी का लाभ उठाते हुए अज्ञात बदमाशों ने दूसरे मार्ग पर घटना को अंजाम दे दिया।

विपक्षी नेताओं ने राज्यपाल से की मुलाकात; दो दिन के दौरे के बाद वापस लौटे

विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A के सांसद मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मिलने इंफाल के राजभवन पहुंचे हैं। इस बीच, कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि मुख्य बात यह है कि मणिपुर में हो रही हिंसा को नजरअंदाज किया गया है।31 जुलाई को मणिपुर का दौरा करने वाले सांसदों का प्रतिनिधिमंडल सुबह 9¬30 बजे संसद भवन में ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ. पार्टियों के फ्लोर नेताओं से मिलेगा। इस दौरान मणिपुर के हालात की विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल लाने की जरूरत¬ मोहम्मद फैजल मणिपुर से लौटने के बाद एनसीपी (शरद पवार गुट) सांसद पी.पी. मोहम्मद फैजल ने कहा कि हमने जो कुछ भी देखा और सुना है वह हमारी उम्मीदों से परे है...उन लोगों को हुई पीड़ा को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता...अगर सरकार ने शुरू में कार्रवाई की होती तो ऐसी स्थिति से बचा जा सकता था, सरकार मूकदर्शक बनी रही और ठीक से कार्रवाई नहीं की...हमने राज्यपाल से मुलाकात कर उनसे अनुरोध किया है कि वे एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल लाने और इन समुदायों के नेताओं को बुलाकर एक साथ बैठाने के लिए सरकार से बात करें।शांति वार्ता ही एकमात्र रास्ता¬ कनिमोझी मणिपुर से लौटने के बाद ष्ठरूय् सांसद कनिमोझी ने कहा कि हमने राज्यपाल को अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं, वह भी चिंतित हैं और चाहती हैं कि हम केंद्र सरकार को बताएं कि हमने क्या देखा है... हम बहस के लिए कहेंगे और हम सरकार को बताना चाहते हैं कि हमने क्या देखा है और लोग भी चाहते हैं सभी दलों के नेता वहां (मणिपुर) जाएं और देखें कि क्या हो रहा है...वहां शांति वार्ता होनी चाहिए, यही एकमात्र रास्ता है।गौरव गोगोई ने पीएम मोदी से की यह मांग कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि वहां लोगों के साथ जो हुआ उससे हम निराश हैं। राज्यपाल से मुलाकात में हमने सुझाव दिया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक अखिल भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल यहां आए, हम पहले दिन से यही सुझाव दे रहे हैं लेकिन पीएम गायब हैं। उनके मंत्री दिल्ली में बैठकर बयान दे रहे हैं। उन्हें वहां की जमीनी हकीकत देखने के लिए मणिपुर का दौरा करना चाहिए।दोनों समुदायों ने राज्य सरकार पर विश्वास की कमी व्यक्त की¬ राजीव रंजन

मणिपुर से लौटने के बाद जदयू सांसद राजीव रंजन (ललन) सिंह ने कहा कि दोनों समुदायों में असुरक्षा की भावना और विश्वास की कमी है, उन्होंने राज्य सरकार पर विश्वास की कमी व्यक्त की। उनका कहना है 3 मई के बाद से घटनाएं हुईं लेकिन राज्य सरकार ने इसे नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाए। राज्यपाल ने कहा कि वह सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही हैं, लेकिन हम जानते हैं कि राज्यपाल के पास सीमित शक्तियां हैं और राज्य को चलाने की शक्ति राज्य सरकार के हाथों में है।राज्य और केंद्र सरकार ने अपनी आंखें बंद ली हैं¬ अधीर रंजन मणिपुर से लौटने के बाद कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही मणिपुर के लिए कोई बड़ा कदम नहीं उठा रही हैं। दिल्ली और देश के बाहर भी बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं...लोगों के घरों में खाना और दवाइयां नहीं हैं, बच्चों के पास पढ़ने के लिए कोई सुविधा नहीं है, कॉलेज के छात्र कॉलेज नहीं जा सकते। दो समुदायों के बीच लड़ाई को खत्म करने के लिए कुछ नहीं किया जा रहा है...राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने अपनी आंखें बंद ली हैं।जब क्करू मोदी संसद में आएंगे, तब हम अपनी बात रखेंगे¬ सुष्मिता देव झ्रूस्ट सांसद सुष्मिता देव ने कहा कि हमने मणिपुर की राज्यपाल से कहा कि हम एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल चाहते थे लेकिन सरकार सहमत नहीं थी इसीलिए ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ. गठबंधन ने दौरा किया... जब क्करू मोदी संसद में आएंगे, तब हम अपनी बात रखेंगे।प्रधानमंत्री मोदी को भी मणिपुर का दौरा करना चाहिए¬ गोगोई मणिपुर से लौटने के बाद कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि लोगों ने वहां (मणिपुर) हमारा स्वागत किया। एनडीए गठबंधन और प्रधानमंत्री मोदी को भी मणिपुर का दौरा करना चाहिए।मणिपुर में शांति बहाल हो- मनोज झा मणिपुर से लौटने के बाद राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि हम चाहते हैं कि मणिपुर में शांति बहाल हो। हमारी एकमात्र मांग है कि दोनों समुदाय सद्भाव से रहें। मणिपुर में स्थिति खौफनाक, दर्दनाक और पीड़ादायक है। संसद में पहले ही चर्चा हो चुकी है कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को मणिपुर का दौरा करना चाहिए।मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उनसे सभी प्रभावी कदम उठाते हुए शांति बहाल करने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि आपसे यह भी अनुरोध है कि आप केंद्र सरकार को पिछले 89 दिनों से मणिपुर में कानून और व्यवस्था के पूरी तरह से खराब होने के बारे में अवगत कराएं ताकि उन्हें शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए मणिपुर में अनिश्चित स्थिति में हस्तक्षेप करने में सक्षम बनाया जा सके

If these problems are happening in your eyes too, then be careful, there can be symptoms of eye flu

Eye Flu The cases of eye flu are increasing rapidly in this monsoon season. For the past few days, there is a continuous increase in the cases of eye flu in many states of the country including Delhi. In such a situation, it is necessary that proper precautions should be taken regarding this. If you are also seeing these changes in your eyes, then these can be symptoms of conjunctivitis. These days there is a continuous increase in the cases of eye flu across the country. Although cases of conjunctivitis are seen every year during the monsoon season, this year more cases of eye flu are being reported than in previous years. In such a situation, experts and doctors are constantly advising people to take precautions. The problem of eye flu is due to inflammation in the thin and transparent layer covering the conjunctiva, the white part of the eye and the inner part of the eyelids. If conjunctivitis is not treated in time, its consequences can be serious. In such a situation, it is necessary to identify its symptoms and signs at the right time and treat it immediately, so that one can save oneself from its serious consequences. You can identify it by the following symptoms. Red or pink eyes- One of the most common and recognizable symptoms of conjunctivitis is redness of the eyes. The dilation of blood vessels causes swelling of the conjunctiva, due to which the eyes appear pink or red. This redness can affect one or both eyes. If your eye is constantly looking red or pink, then it can be a symptom of eye flu. Excessive tears - If you are suddenly having problems with tears or watery eyes, then be alert. Due to inflammation or irritation, watery eyes often start coming in the eye flu. Although tears are necessary for healthy eyes, but if you have continuous watery eyes along with redness and discomfort, then it could be conjunctivitis. Discharge from the eyes- Due to conjunctivitis, discharge often starts from the affected part of the eyes. Although its consistency and color may be different. This discharge from the eyes can be a thin, watery liquid or it can also be a thick substance of yellow or green color. It can also cause crusting around the eyelashes. Especially after sleeping. If you are also seeing such unusual discharge in the eyes, then contact the doctor immediately. Itching and burning- Severe itching and burning in the eyes are also common symptoms of conjunctivitis. Actually, this problem can occur due to inflammation in the conjunctiva. If you have a strong urge to constantly rub or rub your eyes, it could be conjunctivitis. However, keep in mind that during this time avoid rubbing the eyes, as this can increase the risk of spreading the infection. Sensitivity to light (photophobia) – If you have suddenly started experiencing sensitivity to light, you may be suffering from conjunctivitis. Eye pain often occurs due to exposure to bright light during eye flu. It is also known as photophobia. If you notice sensitivity to light as well as other eye symptoms, see an eye specialist immediately. Blurred vision- Some people may have temporary blurred vision due to conjunctivitis. If you have suddenly started having trouble seeing and other changes are visible in the eyes, then it is possible that you have become a victim of conjunctivitis.

Brown Sugar Skin Benefits: Say goodbye to premature wrinkles with the use of brown sugar

Brown Sugar Skin Benefits Sun dust pollution has taken away the glow of your skin and

wrinkles have started appearing on your face before time? So it is obvious that you must be trying different ways to get rid of it, but have you tried brown sugar? If not, then know here the benefits of this to the skin. Brown Sugar and Honey Scrub Ingredients - 1 tbsp brown sugar, 1 tbsp raw honey, 1 tbsp olive or coconut oil How to use - Mix all the things together. - Apply it on the face and massage with light hands after 10 minutes and then wash. This also has to be used twice a week. Brown sugar and coconut oil scrub - Ingredients - 1/2 cup brown sugar. 1/2 cup coconut oil, 2-3 drops of essential oil as desired - Use like this - Mix all the things in a bowl. Keep it on your face for at least 10 minutes, then wash it by scrubbing in circular motion. - Using it once a week will be enough. Benefits of Brown Sugar - - Vitamin B, protein, zinc, copper and glycolic acid are present in brown sugar. By applying this, many problems related to the skin are removed. With the help of brown sugar, the oil glands get deep cleaned. Due to which the pimples and acne remain away from the face, as well as the spots also become lighter. - Scrubbing with brown sugar increases the circulation of blood on the face, which increases the beauty of the face and makes it look young. - Due to glycolic acid, brown sugar controls melanin. The problem of tanning is also removed by its use. Applying olive oil mixed with brown sugar keeps the skin hydrated. This removes wrinkles, fine lines. Using brown sugar also removes the problem of blackheads and whiteheads. Scrubbing is very important to remove the dust and dirt accumulated on the face. Scrubbing once or twice a week can solve many problems like dead skin, tanning, but if your skin is looking very dull, there is no glow at all and then the face will also look old before time. If it seems, then for all these problems, you should include brown sugar in your beauty routine. Apart from calcium, potassium, magnesium, vitamin-B, brown sugar contains many other elements, which are very beneficial for the skin.

Supta Matsyendrasana detoxes the body along with getting rid of back pain, learn how to do it

Yoga For Back Pain If you also have a lot of pain in your back, your stomach is not clean, and apart from this some or the other disease is almost always there, then you should start practicing Supta Matsyendrasana. This asana is full of many benefits. Let's know the way to do it and the precautions and benefits. Regular practice of Supta Matsyendrasana can provide relief from lower back pain name of this asana is in which supta means to lie fishes and asana means also known as the Supine Recycling Lord of the Fish as well as many benefits are practicing Supta back on the yoga mat. Now and raise it up and rest its your back to the left and of the right leg. At the same direction of the shoulder. Stay in this position for normal. - Practice this Benefits of regular practice doing this yoga, back pain problems related to sleep asana, the muscles of the legs and hands become correct, then this asana this asana, the toxins removed. - Not only this,

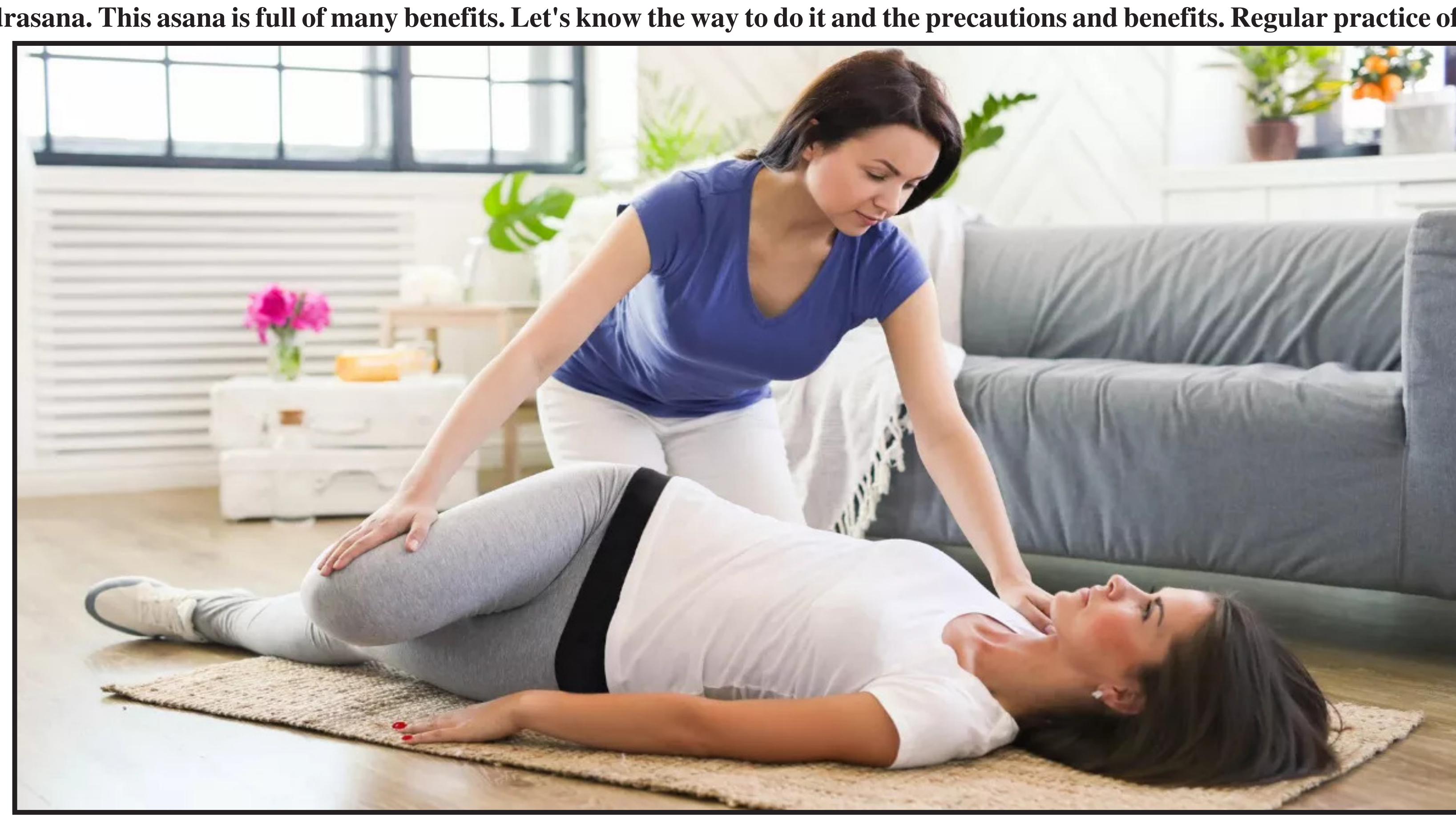

and stiffness in the shoulders. The derived from the Sanskrit words, down, matsyendra means lord of posture. Supta Matsyendrasana is Twist, The Recycling Twist, The Pose. It is easy to practice this yoga also available. Method of Matsyendrasana- Lie down on the bend your right leg from the knee sole near the left knee. Then turn place your right hand on the knee time, spread the left hand in the After this, turn the head to the left. some time and then become asana at least three to five times. of Supta Matsyendrasana - - By is relieved. - By doing this asana, are removed. - By practicing this spine, hips, shoulders, hamstrings, strong. - If your digestion is not helps in It also helps. - By doing present in the body are easily just by practicing it two to three times, the mind relaxes. Take these precautions during the practice-- If If you have any problem related to the spine, then you should avoid practicing this yoga asana. - Pregnant women should also not practice this. - If you have any stomach problem or have undergone any surgery, do not practice this yoga asana. - If you feel any kind of discomfort in the waist during this yoga practice So don't practice it.

Dawood lost consciousness after seeing this scene of Mandakini's film, news of affair with Don ended his career

Mandakini is a famous Bollywood actress who ruled the industry during her time. He made his special place in the industry on the basis of his strong performance. Along with this, she made crores of hearts beat with her beauty and style and made not only people but also Dawood Ibrahim crazy about her beauty. Hindi cinema veteran actor director and producer Raj Kapoor made Mandakini's career in Bollywood. With ocean blue eyes and a beautiful smile on her face like the moon, Mandakini stole the limelight. Today the actress is celebrating her 60th birthday. Apart from films, Mandakini also made a lot of headlines regarding her

personal life. Seeing Mandakini's style, underworld don Dawood Ibrahim also lost his senses along with Sens, after which the name of the actress was associated with Dawood Ibrahim. Let us tell you this story related to her life on the special occasion of her birthday... Mandakini was born on 30 July 1963 in Meerut, Uttar Pradesh. The real name of the actress is Yasmeen Joseph. His father is British and mother Kashmiri. After entering the industry, the actress changed her name to Mandakini. Mandakini was launched in the Bollywood industry by Raj Kapoor with his biggest film 'Ram Teri Ganga Maili'. Right from her very first film, Mandakini made crores of fans crazy about her beauty and ravishing looks. Apart from this, she was included in the list of actresses of the 70s, who gave very bold scenes in their very first film. Raj Kapoor also launched his younger son Rajeev Kapoor with 'Ram Teri Ganga Maili'. Mandakini and Rajeev Kapoor's film proved to be a blockbuster at the box office and Mandakini received the Best Actress Award for the film. Mandakini rose to the pinnacle of success from her very first film and never looked back. Bala's beautiful Mandakini had made a place in everyone's heart with her beauty and acting. All the producers and directors wanted to cast the actress who became a star from her first film overnight. Such was the beauty of the actress that even underworld don Dawood Ibrahim fell for her. Mandakini had a bold scene in the movie 'Ram Teri Ganga Maili', in which she was standing under a waterfall in a white saree getting drenched. This scene became very famous from the film. Mandakini got a lot of fame through this scene, but this scene also increased the difficulties of her life. In fact, seeing this scene, Dawood fell in love with the actress. After this, Dawood's picture with Mandakini from a stadium went viral, after which news started coming that Mandakini is dating underworld don Dawood. However, she never accepted their affair and said that she had met him only 2-3 times and that both of them were just friends. It was said at the time that Mandakini's relationship with Dawood had put pressure on the actress on the director and producer. He used to threaten to cast in his films and Dawood used to get this done. These reports had a negative impact on Mandakini's image. The actress' career was almost over after her picture with Dawood went viral. After this, all the producers and directors used to shy away from taking the actress in the film. Mandakini's last Bollywood film was 'Zordaar', which released in 1996. After this he said goodbye to the industry.

Sara Ali Khan's heart came on 'Rocky' of 'Rani', shared pictures of cameo and tied the bridge of praise for Ranveer

Actress Sara Ali Khan has shared pictures of her cameo from Karan Johar's latest release 'Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani'. Along with this, he has praised the film's actor Ranveer Singh. Bollywood filmmaker Karan Johar is in the news for his recently released film 'Rocky and Rani Ki Prem Kahani'. His film is getting mixed response from the audience at the box office. Alia Bhatt and Ranveer Singh starrer Ananya Panday, Varun Dhawan and Sara Ali Khan are seen in cameo roles in this film. The film, which released on July 28, also stars veteran actors Dharmendra, Jaya Bachchan and Shabana Azmi, apart from Alia and Ranveer.

Simmba actress Sara Ali Khan shared pictures of the song from the film and praised her co-star. Wished him success. Sara wrote, "My Simmba, everyone's Rocky. Keep roaring." The tremendous chemistry of both was seen in Simmba. The duo set the screen on fire with their dance number 'Aankh Marey' in the film. In this film, Ranveer Singh was seen in the role of a police officer. Significantly, Karan Johar has returned to the director's throne after seven years with 'Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani'. That's why there was a lot of buzz about his film. Made at a cost of 160 crores, the film collected Rs 11.10 crores on the opening day at the box office, which is considered to be a good start. At the same time, there has been a tremendous jump in the film's earnings on the weekend. On the second day, the film has done a business of 16 crores, after which the total collection of Alia and Ranveer's film has become 27.9 crores. Let us tell you that Karan Johar has returned to direction after seven years. His last directorial venture was the romantic drama Ae Dil Hai Mushkil starring Ranbir Kapoor and Anushka Sharma. "Rocky Aur Rani Ki Love Story" also stars veteran actors Dharmendra, Shabana Azmi and Jaya Bachchan in key roles.

KRK had to make fun of Rajinikanth's personality, the actor's fans lashed out on Twitter

Kamal Rashid Khan aka KRK often remains in media headlines for one reason or the other. KRK, who calls himself a critic, does not miss a single opportunity to take a dig at Bollywood stars. Recently, he made fun of South Superstar Rajinikanth through his tweet, after which the actor's fans started trolling him on Twitter. However, on Saturday, July 29, KRK shared a photo of Rajinikanth on Twitter and wrote that an actor does not need height, personality or education to become a superstar. Questioning Rajinikanth's education and personality, he wrote, "Superstar Rajinikanth is proof that you don't need height, personality and education etc to become a superstar. All you need is luck and attitude." KRK's tweet did not go down well with the actor's fans and they started trolling KRK for commenting on the veteran star. An internet user wrote, "Height personality toh tumhari bhi nahi hai...attitude bahut hai..phir why didn't you become a superstar." Another user wrote, "Brother, talk in reality. You are not even the dust of his feet. He forgives poor people like you everyday. Go, you also get in line, you will get something." One netizen wrote, "He is very talented that's why he got this opportunity." And can speak Urdu. By mere luck a Bengaluru bus conductor cannot become a superstar in a state like TN. Even without knowing the language. He became successful because of his efforts, skill and style." A netizen wrote, "It's hard work, persistence, dedication and passion that can help you achieve what #Rajinikanth has achieved, not just luck and attitude." The actor will soon be seen in Nelson's directorial venture 'Jailor'. The film is scheduled to release on August 11. The film will clash with Chiranjeevi's 'Bhola Shankar', Sunny Deol-Amisha Patel's 'Gadar 2' at the box office.